

संसेक्स	74,248.22	▲ +20.59
डॉलर	83.345	▼ -0.130
तापमान (डिग्री सेल्सियस)		
आज का अनुमान		
अधिकतम न्यूनतम (क्रूपाम)		
रांची 38.0 24.0 35.0		
धनबाद 40.0 27.0 36.0		
जमशेदपुर 42.0 25.0 38.0		
पलामू 40.0 23.0 37.0		

डालटनांग (मेदिनीनगर), चैत्र कृष्ण पक्ष 12, विक्रम संवत् 2080

डालटनांग (मेदिनीनगर), शनिवार, 06 अप्रैल 2024, वर्ष-30, अंक- 168, पृष्ठ-12, मूल्य ₹3.00, रजिस्ट्रेशन नं: आरएनआई 61316/94

www.rastrriyanaveenmail.com

संपादकीय

अधिक सयाने नेता ना घर के रहे ना घाट के ... 8

डालटनांग (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

मैं कहता हूं-भृष्टाचार हटाओ, जो कहते ... 12

देश/विदेश

राष्ट्रीय नवीन मेल

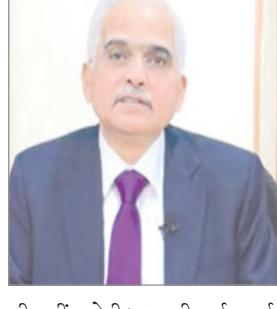
आरबीआई ने रेपो रेट 6.50 फीसदी पर रखा बरकरार

वर्ष 2024-25 के लिए जीडीपी 7 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान

■ वित्त वर्ष 2024-25 की पहली एमपीसी की हुई समीक्षा बैठक

■ होम लोन नहीं होगा महंगा, ईमआई भी नहीं बढ़ेगी

■ महंगाई दर के अनुमान को 4.50 फीसदी पर रखा गया



भी नहीं बढ़ेगी। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को यहां तीन अप्रैल से चल रही एपीसी की समीक्षा बैठक में रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है। आरबीआई ने लगातार सातवां बार नीति विधायिका व्याज दर पर रेपो रेट को 6.50 फीसदी पर बरकरार रखने का फैसला किया है। दास ने बदलाव न होने से होम लोन नहीं महंगाई और आपकी ईमआई

मुंबई (एंजेसी)। वित्त बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने वित्त वर्ष 2024-25 की पहली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक में लिए गए फैसले को जानकारी दी। शक्तिकांत दास ने कहा कि मौद्रिक नीति में 5-1 की बहुमत से रेपो रेट का वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी घरेलू उत्तराधिकारी (जीडीपी) वित्त दर सात फीसदी पर रखने का विधायिका व्याज दर नहीं किया है। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी घरेलू उत्तराधिकारी के लिए रेपो रेट को 7.6 फीसदी की आर्थिक वित्त दर संवाददाता सम्मेलन में कहा कि महंगाई दर और आर्थिक

वित्तिविधायिका में स्थिरता को देखते हुए यह फैसला किया गया है। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सकल घरेलू उत्तराधिकारी के लिए रेपो रेट को 6.50 फीसदी पर बरकरार रखने का फैसला किया है। दास ने बदलाव न होने से होम लोन नहीं महंगाई और आपकी ईमआई

झारखण्ड हाईकोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकार से पूछा-आदिवासियों का धर्मातरण रोकने के लिए क्या कार्रवाई हो रही है?

चलती बस में लगी आग, सोते रहे 70 यात्री, सभी सुरक्षित, हादसा टला

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखण्ड के तालांकोट मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की विधायिका नेता ने केंद्र और राज्य सरकार से पूछा है कि प्रदेश में अदिवासियों का दूरसंधारण को लिए क्या कार्रवाई हो रही है? सरकार की इस विधायिका नीति और क्या कार्रवाई जानी है? कोटे ने शुक्रवार को इस मुद्रे से संबंधित एक जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए दोनों सरकारों को जवाब दिया है। इसकी जांच के लिए सरकार की ओर से कर्मसुदी गठित करते हुए दोनों सरकारों को जवाब दायितव्य दिया जाता है। इस मामले की अगली सुनवाई 12 जून को मुकर्रर की गई है। जनहित याचिका पर सुनवाई चल रही है।



कर बस को रुकवाया। दोनों ने बस में सवार तीर्थयात्रियों को बताया कि बस के पिछले हिस्से में आग लग गई है, सभी यात्री एक एक कर सुरक्षित बाहर निकले। दोनों

पुलिसकर्मियों की साक्षता को वजह से 70 तीर्थयात्रियों की जान बच गई, थोड़ी देर में देखते ही

देखते पूरा एसी बस जलकर खाक हो गया, इसमें सभी तीर्थयात्रियों का सामान भी जल कर राख हो गया।

तीर्थयात्रियों के 68 मोबाइल जल गए हैं।

एसपी अंजनी अंजन ने बताया कि

दिवाली के बाद सोने के लिए

को मतदान केंद्रों तक जाने के लिए

प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि यह

सरकार और लोटालेबाज सरकार है।

अगर सबकर रहते मुख्यमंत्री चंपाई

का सामना करना पड़ सकता है।

इसलिए वृथ कार्यकर्ता मतदाताओं

की तरह राज्य के जल, जंगल,

जमीन की लूट को नजरअंदाज

करते रहें तो उन्हें भी भारी क्षमताओं

का सामना करना पड़ सकता है।

इसलिए प्रेरित पृष्ठ 11 पर

की तरह राज्य के जल, जंगल,

जमीन की लूट को नजरअंदाज

करते रहें तो उन्हें भी भारी क्षमताओं

का सामना करना पड़ सकता है।

इसलिए वृथ कार्यकर्ता मतदाताओं

की तरह राज्य के जल, जंगल,

जमीन की लूट को नजरअंदाज

करते रहें तो उन्हें भी भारी क्षमताओं

का सामना करना पड़ सकता है।

इसलिए वृथ कार्यकर्ता मतदाताओं

की तरह राज्य के जल, जंगल,

जमीन की लूट को नजरअंदाज

करते रहें तो उन्हें भी भारी क्षमताओं

का सामना करना पड़ सकता है।

इसलिए वृथ कार्यकर्ता मतदाताओं

की तरह राज्य के जल, जंगल,

जमीन की लूट को नजरअंदाज

करते रहें तो उन्हें भी भारी क्षमताओं

का सामना करना पड़ सकता है।

इसलिए वृथ कार्यकर्ता मतदाताओं

की तरह राज्य के जल, जंगल,

जमीन की लूट को नजरअंदाज

करते रहें तो उन्हें भी भारी क्षमताओं

का सामना करना पड़ सकता है।

इसलिए वृथ कार्यकर्ता मतदाताओं

की तरह राज्य के जल, जंगल,

जमीन की लूट को नजरअंदाज

करते रहें तो उन्हें भी भारी क्षमताओं

का सामना करना पड़ सकता है।

इसलिए वृथ कार्यकर्ता मतदाताओं

की तरह राज्य के जल, जंगल,

जमीन की लूट को नजरअंदाज

करते रहें तो उन्हें भी भारी क्षमताओं

का सामना करना पड़ सकता है।

इसलिए वृथ कार्यकर्ता मतदाताओं

की तरह राज्य के जल, जंगल,

जमीन की लूट को नजरअंदाज

करते रहें तो उन्हें भी भारी क्षमताओं

का सामना करना पड़ सकता है।

इसलिए वृथ कार्यकर्ता मतदाताओं

की तरह राज्य के जल, जंगल,

जमीन की लूट को नजरअंदाज

करते रहें तो उन्हें भी भारी क्षमताओं

का सामना करना पड़ सकता है।

इसलिए वृथ कार्यकर्ता मतदाताओं

की तरह राज्य के जल, जंगल,

जमीन की लूट को नजरअंदाज

करते रहें तो उन्हें भी भारी क्षमताओं

